प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 09 जनवरी, 2017 को चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित सेल्बी हॉल में शैक्षणिक परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कुल 13 बिन्दुओ पर चर्चा हुई। जिसमे केजीएमयू एलूमनी एसोसिएशन, गाजियाबाद द्वारा छात्रवृत्ति देने, एक वर्ष के पीडीसीसी पाठ्यक्रम को शुरू करने, ट्रांसलेशन हेल्थ साईंस में पुनः एमफील पठ्यक्रम शुरू करने, Oculoplastics में पोस्ट ग्रेजुएट फैलोशिप, Strabismus और बाल नेत्र विज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएट फैलोशिप, बाल पुनर्वास मे डीएम पाठ्यक्रम शुरू करने, फिजियोलॉजी विभाग में योगा ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने, रेडियोलॉजिकल फिजिक्स मे एमएससी पाठ्यक्रम शुरू करने, चर्चा और उत्कृष्टता के केंद्र, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के उन्नयन के लिए एक ''प्रजनन और जनसंख्या नियंत्रण अनुसंधान संस्थान'', हॉस्पिटल एण्ड हेल्थ मैनेजमेंट में एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने तथा अन्य एजेण्डे में सर्जरी में एफएनबी, पीडियाट्रि कॉर्डिओलॉजी/रेप्रोडक्टिव मेडिसिन/मेडिकल जेनेटिक्स मे एमडी पाठ्यक्रम के प्रस्ताव सहित 12 बिन्दुओ के ऊपर चर्चा हुई।

- एक और कार्यक्रम में एनॉटमी विभाग के अंतर्गत थ्रीडी सीटी स्कैन गैलरी का उद्घाटन चिकित्सा विश्वविद्यालय के मॉननीय कुलपति पद्मश्री प्रो0 रवि कांत जी के द्वारा किया गया।

- वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित गेस्ट लेक्चर में डीमेंसिया के उपर डॉ0 रामाकृष्नन, बीएससी, एमबीबीएस, एमएमइडीएससी, एमएससी,एफआरसीपी साइकिआर्टीस्ट, यूके द्वारा लेक्चर दिया गया। जिसमे उन्होंने बताया कि इस समय भारत मे कुल 3.26 प्रतिशत डीमेंसिया के रेगी है। इस रोग को सभी देशों की सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर महत्व दिया जाना चाहिए तभी इस समस्या से लोगो को छुटकारा मिल पायेगा। आज बुजुर्गो को ऐसी स्थिति है कि वो घर के एक कोने में चुपचाप पड़े रहते है कोई उनसे बात तक नही करने वाला होता है। ये रोग 60 वर्ष के उपर की आयु वालो में प्रमुखता से पाया जाता है तथा इससे महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती है। डीमेंसिया में रोगी अपने रोजमर्रा के कार्यो को नही कर पाता है वो कोई काम करते हुए भुल जाता है यहा तक की वो अपने दैनिक कार्यो तक को कर पाने मे अक्षम हो जाता है। इस अवसर पर वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 एस0सी0 तिवारी ने कहा कि हमारे यहां देश पहला वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य विभाग की स्थापना की गई अब जाकर देश मे दूसरा इस तरह का सेंटर बैंगलोर में स्थपित हुआ। चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा इसमे डीएम पाठ्यक्रम भी चलाया जा रहा है।